हिन्दी प्रेस क्लब

2023-2024, (फ्रेशर्स विशेषांक)

प्रवाह

कॉलेज लाइफ लंबी नहीं,
यादगार होनी चाहिए बाबूमोशाय...

BITS का मैप
अंदर पाएं

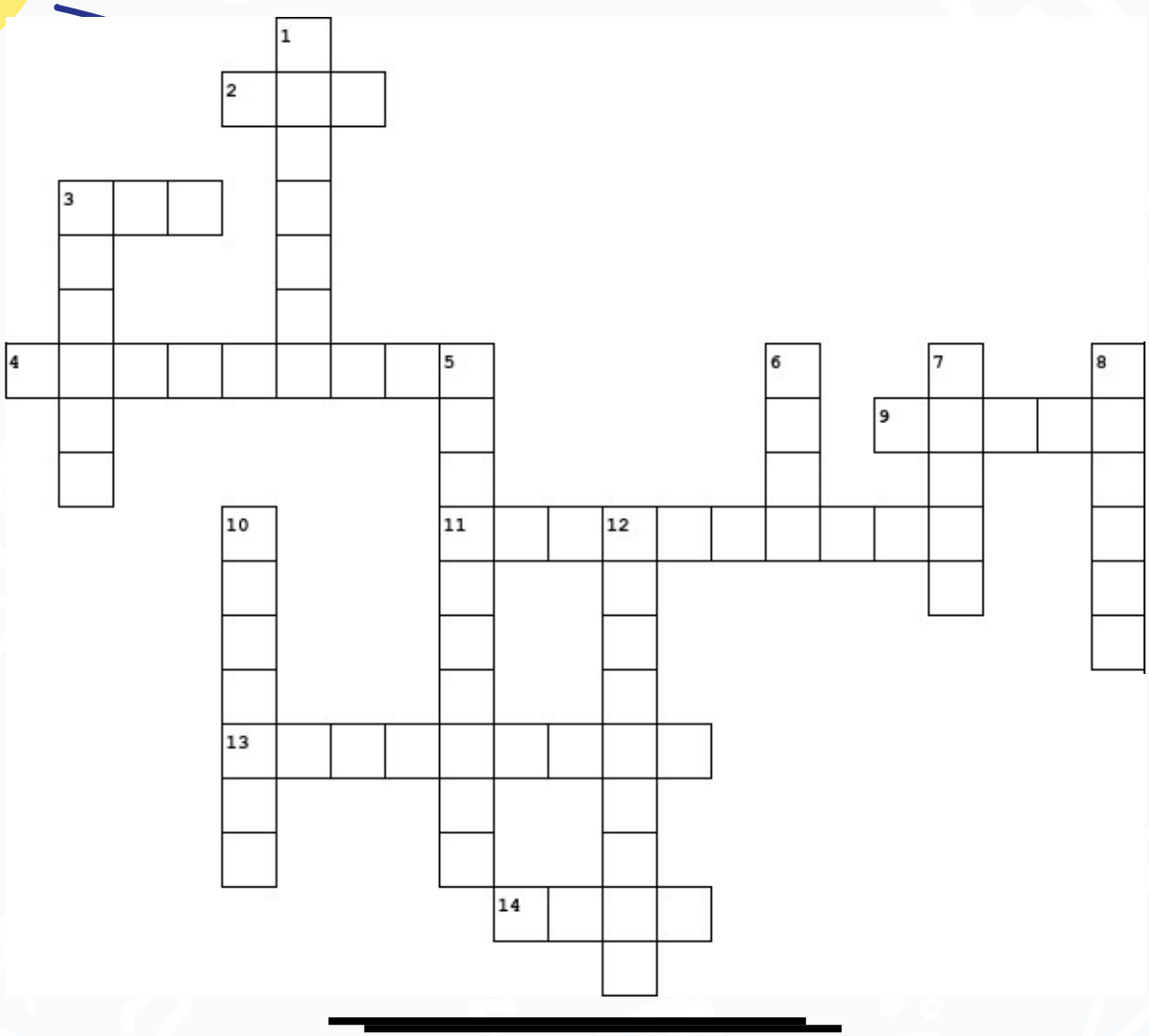

Across

2. मनोरंजन केंद्र जहाँ आप खेल सकते हैं
3. Bitsian का डिनर प्वाइंट
4. Bitsian यहाँ जा नही सकते
9. Bits पिलानी के पूर्व प्रचलित गणित के प्रोफ़ेसर
11. जो आप अभी पढ़ रहे हैं
13. सेमेस्टर जिसमे ग्रेड्स की परवाह नही होती
14. Bitsian का प्रसिद्ध शब्द

Down

1. पढ़ने के लिए ऑनलाइन पोर्टल
3. कैंपस का सुपर मार्केट
5. एक रात जब आप सोए नही
6. अत्यधिक पढ़ने वाला
7. हॉस्टल का प्रधान
8. ग्रेड्स के लिए महत्वपूर्ण
10. आपसे पहले आपके कमरे में रहने वाला
12. क्लॉक टॉवर के सामने का रास्ता

* All answers are to be filled in english

अनुक्रमणिका

- संपादकीय
- Dear Juniors
- पाँच का पंच
- BITS Map
- जीवनशैली
- वो या वो
- फ़ेस्ट की माया

LINKS BY HPC

Scan me to find All your important academic portals combined at one place

Scan Me to fill HPC Recruitment 2023 form

or visit

bit.ly/HPCRecruitment23

संपादकीय

नमस्कार देवियों और सजन्नों, पिलानी, राजस्थान में स्थित बिट्स पिलानी में आपका स्वागत हैं। कृपया अपनी फ़ीस और परीक्षाएँ देते रहें और अपनी डिग्री पूरी होने तक कैम्पस पर बने रहें। अपनी सुरक्षा के लिए कोई भी अवैध वस्तु का सेवन न करें। सवेरे-सवेरे शौचालय का द्वार खोलते समय सावधानी बरतें। हमें आशा हैं कि आपकी यह यात्रा सुखद रहे और हमारा यह न्यूज़लेटर में कार्टूनों के अलावा कुछ और भी देखने के लिए धन्यवाद।

जितनी कठिनाई से आपने इस संस्थान में प्रवेश पाया हैं, उससे बस थोड़ा-सा और परिश्रम लगाना होगा आपको हमारे दुर्लभ कैम्पस तक पहुँचने के लिए। अभी 2-3 दिन मौका अच्छा है, अपने परिवार वालों के साथ कैम्पस भ्रमण करने का, आगे क्या पता कब "quiz" नामक दानव से आपका पाला पड़ जाए और वह आपका सुख, चैन एवं समय खा जाए। चिंता मत कीजिए मेरा मकसद आपको डराने का नही है, पर क्या करें यह बिट्सियन कौम होती ही बड़ी भोली है। कब क्लब एवं डिपार्टमेंट के चक्कर में आप "lite" लेलें किसे पता। बहरहाल, मुस्कुराइए आप बिट्स पिलानी में हैं। देश का शायद इकलौता कॉलेज जिससे आप अपनी "आई.आई.टी" नामक क्रश को भुला पाएंगे। अब पुरानी बातें जाने भी दो यारों, स्कूल, कोचिंग, मेंन्स, अडवांस, यूनीफोर्म और माता-पिता का लाड इस कैम्पस के द्वार पर ही रह जाता है।

इस ज्ञान के मंदिर में प्रवेश करने से पहले आपने अपनी चप्पलों के अलावा, अपना घर, शहर, और महोल्ले के दोस्तों को भी द्वार पर पीछे छोड़ दिया है। एक पल के लिए यह सोच कर दिल में उदासी छा जाती है, परंतु यही इस स्वतंत्रता के सागर में छलांग लगाने का मोल है। स्वतंत्रता किस चिड़िया का नाम होता है यह आपको इन चार वर्षों में भली भांति सिखाया जाएगा। अपनी मर्ज़ी से खाना, पीना (न केवल जल), सोना, उठना, पढ़ना, और हर एक कार्य जिसकी आपने पहले कल्पना भी नही की होगी, वह आपको स्वयं करना होगा। इस आज़ादी के मेले में आपको 0% उपस्तिथि, lite, all-nighter, एवं जी.पी.एल जैसे झूलों का लुफ्त उठाने को मिलेगा। जो सफ़र माता-पिता के विछोह कारण रुदन से आरम्भ हुआ था, वह कभी- कभी रोटुंडा पर इंट्रो देते हुए या फिर ANC पर लंबी पर्चियाँ कटवा कर खुशी में झूम रहा होगा। इस सफ़र में जितने महत्वपूर्ण आप हो उनते ही आपके सहयात्री यानी आपके यार होंगे।

हाथ धोने का साबुन समाप्त हो गया? अक्षय बहुत दूर है, roomie से मांग लो! इंटरेक्शन के चक्कर में क्लास छूट गयी? lite लो यार, विंग के आखिरी कमरे में एक "घोट" रहता है, उससे मांग लो। हर सवाल का जवाब और हर रोग की दवा आपको आपने भवन या ब्लॉक में मिल जाएगी। सोते हुए को जगाया जाएगा, जनमदिन पर भगाया जाएगा। एक अनजान गाँव में अनजान लोगों के साथ कैसे रहते है, यह पहले सेमेस्टर में ही आप भली भाँति सीख जाएंगे और सभी अपने आप को एक ही नाम से बुलाएँगे – बिट्सियन।

दुनिया के आप किसी भी कोने में चले जाओ, उधर आपको ज़रूर बिट्सियन कुछ अनूठा करते हुए मिल जाएंगे। क्या है यह एक डोर है जो बिट्सियनस को सालों साल एक दूसरे से जोड़े रखती है? क्या एक परीक्षा पार करने से कोई बिट्सियन कहलाने योग्य हो जाता है? बिट्सियन अनुभव, जो आप इन वर्षों में प्राप्त करेंगे, एक सफ़र है। पिलानी की कप-कपाती सर्दियों में सुबह 8 बजे कोहरे में राह ढूंढ कर ट्यूट-टेस्ट देने जाने से लेकर, गर्मियों में सुबह पसीने से लथ-पथ उठने तक, इन सभी परिस्थितियों को बिट्सियनस ही झेलते हैं। शुरुआत में lite लेने से परीक्षा की एक रात पहले सारी बिजली की लाइट जलाकर पढ़ने का सफ़र बिट्सियनस तय करते हैं। इन चार से पाँच वर्षों के सफ़र में आप एक अच्छे इंजिनियर बनो न बनो, पर एक पक्के बिट्सियन ज़रूर बन जाओगे!

इसी के साथ हम आशा करते हैं कि आप अपने कॉलेज जीवन का पूरा रस चखें और जिन सपनों को लेकर आप बिट्स की जादुई दुनिया में आए हैं, वह पूर्ण रूप से साकार हो। पूरे हिंदी प्रेस परिवार की ओर से आपको आभार, अभिनन्दन, स्वागत, स्वागत, स्वागत ...

Dear Juniors...

सबसे पहले सभी फ्रेशर्स को बिट्स पिलानी में चयनित होने के लिए बहुत-बहुत बधाई। हिंदी प्रेस क्लब सभी नए विद्यार्थियों का बिट्स में तहेदिल से स्वागत करता है। बच्चों के मन में कॉलेज को लेकर बहुत-सी आशाएँ होती हैं, उम्मीद है कि बिट्स पिलानी आप सभी की उम्मीदों पर खरा उतरेगा। एक बात मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ, कॉलेज के चंद वर्षों में कोर्स की शिक्षा के अतिरिक्त आप सभी बहुत-सी यादें और अनुभव एकत्रित करेंगे, जो कि अमूल्य होंगे।

जिस प्रकार हर सिक्के के दो पहलू होते हैं, वैसे ही यह कैम्पस भी आपकी कुछ अपेक्षाओं से निश्चित बेहतर होगा किन्तु हो सकता है कि कुछ अपेक्षाओं पर यह फ़ीका पड़े। जब कोई भी व्यक्ति पहली बार बिट्स पिलानी आता है, तो उसे यहां तक लाने वाली सड़कें देखकर यहां आने का फैसला गलत लगता है, लेकिन कैम्पस आने के बाद NAB, IPC, पुस्तकालय देखकर पता चलता है कि कॉलेज अत्याधुनिक तरीके से बनाया गया है। कैम्पस के अंदर की दुनिया बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग है।

स्कूल और कॉलेज में सबसे बड़ा अंतर होता है- स्वतंत्रता का। बिट्स में विद्यार्थियों को बाकी विश्वविद्यालयों के मुकाबले अधिक स्वतंत्रता प्रदान की गई है। इसके उदाहरण है, अपना टाइम-टेबल खुद निर्धारित करना, ज़ीरो अटेंडेन्स पॉलिसी, इत्यादि। एक सुखद कैम्पस जीवन के लिए इस आज़ादी का सही तरीके से इस्तेमाल करना आवश्यक है। सबसे मुश्किल कार्यों में से एक होता है, समय का सही संचालन। पढ़ाई और पाठ्यक्रम के अतिरिक्त अन्य गतिविधियों को एक साथ संभालना कठिन किन्तु बहुत ज़रूरी होता है।

फ्रेशर्स को बिट्स पिलानी में सीनियर्स से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। विद्यार्थी बहुत से क्षेत्रों में काम और अध्ययन करते हैं, जिससे जूनियर्स के लिए भी उन क्षेत्रों में जांचे-परखे स्रोत उपलब्ध हो जाते हैं। कॉलेज में विभिन्न प्रकार के लोगों से मिलना-जुलना होता है, जो कि अलग-अलग जगहों से आते हैं। विभिन्न संस्कृतियों को जानने का सुअवसर मिलता है। कॉलेज जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत करता है। नई शुरुआत से थोड़ा डर सभी को लगता है पर नई शुरुआत से खुद को नवीन रूप से निर्मित करने का मौका भी मिलता है। खुद पर काम करके अपना सबसे बेहतरीन रूप सामने लाने का मौका मिलता है।

कॉलेज में बहुत से क्लब्स और डिपार्टमेंट्स है जो अलग अलग गतिविधियाँ आयोजित करवाते हैं। फ्रेशर्स को अपनी रुचियों का अन्वेषण करना चाहिए। क्लब्स के माध्यम से अधिकतर छात्रों को अपने जैसे अन्य लोगों से जुड़ने का मौका भी मिलता है। बहुत सारे नए दोस्त भी मिलते है और सीनियर्स से उस क्षेत्र में सीखने को भी बहुत कुछ मिलता है। कई सांस्कृतिक संगठन भी स्थापित हैं, जिससे अपनी संस्कृति से भी जुड़ाव बना रहता है। हर सांस्कृतिक संगठन अपना एक वार्षिक भोज आयोजित करवाता है, जिसमे उस सांस्कृतिक संगठन के छात्र अपने क्षेत्र का भोजन कॉलेज के अन्य छात्रों को परोस कर खिलाते हैं। खेलों हेतु भी कई सुविधाएँ उपलब्ध हैं। लगभग हर मुख्य खेल के लिए मैदान हैं।

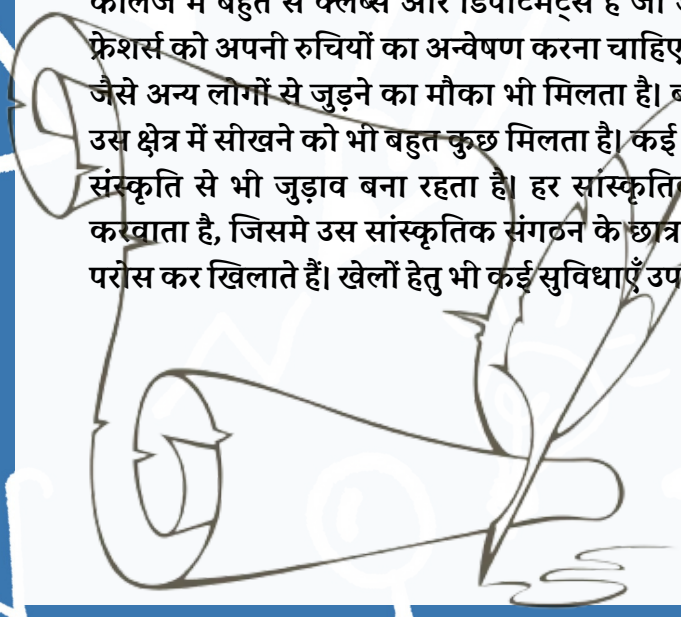

हॉस्टल में रहना भी एक नया अनुभव होता है जो जिंदगी की छोटी किन्तु महत्वपूर्ण बारीकियां सिखाता है। बहुत-से लोगों के लिए अपने माता-पिता से अलग रहने का ये पहला अवसर होता है। स्वयं समय से उठना, नाश्ता करना और क्लास जाना कितना मुश्किल होता है, यह अधिकांश बच्चों को कॉलेज आने के बाद ही समझ आता है। परन्तु ये छोटी-मोटी चीज़ें कुछ दिन के लिए ही मुश्किल लगती हैं, उसके बाद यह सब द्वितीय स्वभाव हो जाता है। खुद अपने कपड़े धुलवाना, खुद अपना खाना खरीदना, खुद अपनी तबीयत का खयाल रखना और अपनी पढ़ाई पर भी ध्यान देना, सब खुद करने से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। घर के मुकाबले हॉस्टल में सुविधाओं की कमी ज़रूर होती है, लेकिन दोस्तों की कमी नही होती।

हॉस्टल में घर की याद तो आती ही है, लेकिन कुछ समय बाद घर पर भी हॉस्टल की और कॉलेज के दोस्तों की याद आने लगती है। अपने दोस्तों के साथ इतना समय बिताने के बाद कॉलेज में ही एक छोटा-सा परिवार बन जाता है। अपने दोस्तों के साथ अंदरूनी मज़ाक बनने लगते हैं और खूब मज़े करने का अवसर मिलता है। साथ में बैठकर पढ़ने और खेलने-कूदने से दोस्ती गहरी होने लगती है।

इतना सब कुछ एक साथ होता हुआ देख कभी-कभार फ्रेशर्स खुद को व्याकुल स्थिति में पाते हैं। ऐसे में यह याद रखना बहुत ज़रूरी है कि इतनी सारी चीज़ों को एक साथ संभालने के लिए वे अपनी प्राथमिकताओं को अच्छे से समझें। आवश्यकता पड़ने पर अपने से ज़्यादा अनुभवी लोगों से मदद माँगने में संकोच नही करना चाहिए।

वैसे तो पढ़ाई के अलावा भी बिट्स पिलानी में और बहुत कुछ सीखने को मिलता है, परन्तु पढ़ाई को पूरी तरह नज़रअंदाज़ करना भी गलत है। जीवन में संतुलन का बहुत महत्त्व होता है और हर BITSian की ज़िंदगी में CGPA और अन्य गतिविधियों के बीच कश्मकश लगी रहती है । एक औसत BITSian की नाव इन्ही दो किनारों के बीच झूलती रहती है, तीव्र हवाओं और तूफानों के बीच संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। यही संतुलन बनाए रखने में पता ही नही चलता कि यह खूबसूरत समय कब बीत गया।

आशा है कि कॉलेज का ये पहला साल सभी फ्रेशर्स को बहुत सी अच्छी यादें देकर जाए और नए अनुभव प्राप्त करवाए। कॉलेज का पहला साल अच्छे-बुरे, छोटे-बड़े, कई पाठ पढ़ाकर जाता है, लेकिन सभी को किताबों से हटकर जीवन का कुछ अनमोल ज्ञान देकर जाता है।

पाँच का पंच

बधाई हो आपको BITSAT क्रैक करने पर!!

इस बड़ी चुनौती को तो पार कर लिया, अब आप BITSIAN कहलाने लगे हैं।

कॉलेज में आने के बाद आपके मन में बहुत से ख्याल आ रहे होंगे, और आपको पता नही होगा कि ऐसा क्या करें जिससे आपकी कॉलेज लाइफ और भी दिलचस्प हो जाए। चिंता ना कीजिये क्योंकि हम आपको बताएँगे कि क्या करना चाहिए।

माफ़ कीजिए, इस लिस्ट में वे टिप्पणियाँ हैं जो नही करनी हैं । हम मानते हैं कि यह करने से आपकी कॉलेज लाइफ काफ़ी 'रोमांचक' तो बन जायेगी पर हिंदी प्रेस क्लब की टीम आपको यह करने का सुझाव नही देती है।

पहली टिप्पणी-

अब तक आप ने rotunda तो घूम ही लिया होगा? जो लोग नही गए वे अपने कमरों से बाहर निकलें और जाएँ (रास्ता जान ने के लिए पेज 8-9 पर जाएँ)। वहाँ के चौकीदार जी को देखा ही होगा? हाँ-हाँ वही जो कुछ भी गलत करने पर सीटी बजाते है। क्या आपको पता है वहाँ पर साइकिल चलाना मना है? तो कृपया उनका ध्यान भटकाकर rotunda में साइकिल उतारने का प्रयास मत कीजियेगा। (सावधान: ऐसा करना BITS के नियमों के खिलाफ़ है और आपकी सेम बैक भी लग सकती है।)

दूसरी टिप्पणी-

अब तक आपकी किसी सीनियर से मुलाकात तो हो ही गयी होगी? और उन्होंने आपका INTERACTION भी लिया होगा? (अगर नही हुई है तो जान लें कि आपके पूरे कॉलेज के सफ़र में वे ही सबसे काम के लोग हैं।) , आपको सीनियर बनके अपने सहपाठियों का INTERACTION नही लेना है इस काम को करने से आपकी अपने ही सहपाठियों से पिटाई हो सकती है।)

तीसरी टिप्पणी-

शिवगंगा का नाम सुना है? यह एक पर्यटन स्थल है। इसको एक बार ज़रूर देखना चाहिए, यह मैं खुद अपने अनुभव से बता रहा हूँ। परंतु किसी घटना के कारण यहाँ छात्रों का जाना वर्जित कर दिया है। वैसे तो रात को शिवगंगा के दरवाज़े को फांदकर दूसरी तरफ़ जाना बहुत आसान है। (समझदार को इशारा ही काफ़ी है)

चौथी टिप्पणी-

कभी सोचा है कि मेस के ऊपर क्या होगा? कभी देखा है उसका रास्ता कहाँ है? अफ़सोस है आप इस ही रहस्य में रह जायेंगे क्योंकि मेस की छत पर जाना BITS के नियमों के सख्त खिलाफ है और आपकी सेम बैक भी लग सकती है। यह करने का प्रयास SR वाले ना करें क्योंकि यह करते समय वे ज़ख़्मी हो सकते हैं।

पाँचवी टिप्पणी-

आपको पता होगा 9 बजे के बाद कैम्पस में अंदर आना मना है, अगर ऐसा करते हैं तो आपको पूरी रात बाहर बितानी पड़ती है। इसलिए अपने दोस्तों को लेकर पूरी रात बाहर ना बिताएं।

(सावधान: यह चीज़ें BITS के नियमों के खिलाफ़ हैं इसलिए यह करना HPC टीम की तरफ से जनहित में जारी नही है। किसी भी समस्या में फंसने के बाद HPC से संपर्क ना करें।)

BITS

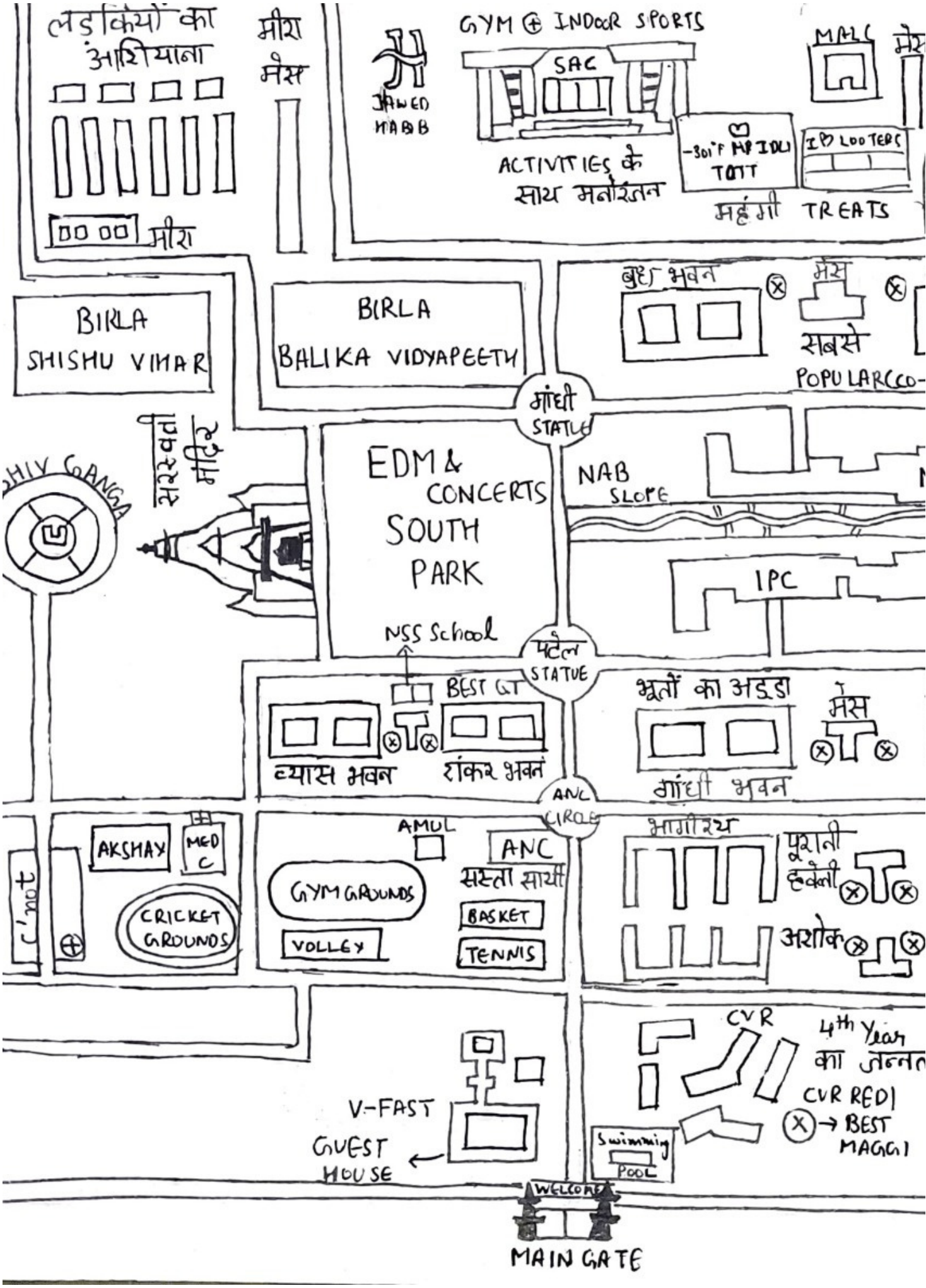

लड़कियों का आशियाना
मीरा
मीरा मेस
JAWED HABIB
GYM ⊕ INDOOR SPORTS
SAC
ACTIVITIES के साथ मनोरंजन
MALC
TOTT
I ♡ LOOTERS
महंगी TREATS
BIRLA SHISHU VIHAR
BIRLA BALIKA VIDYAPEETH
बुद्ध भवन
मेस
सबसे POPULAR CO-
गांधी STATUE
NAB SLOPE
SHIV GANGA
सरस्वती मंदिर
EDM & CONCERTS SOUTH PARK
NSS School
IPC
पटेल STATUE
BEST CT
व्यास भवन
शंकर भवन
भूतों का अड्डा
मेस
गांधी भवन
ANC CIRCLE
AMUL
ANC
सस्ता सार्थी
AKSHAY
MED C
CRICKET GROUNDS
C'not
GYM GROUNDS
VOLLEY
BASKET
TENNIS
भागीरथ
पुरानी हवेली
अशोक
CVR
4th Year का जन्नत
CVR REDI ⊗ → BEST MAGGI
V-FAST
GUEST HOUSE
Swimming POOL
WELCOME
MAIN GATE

MAP

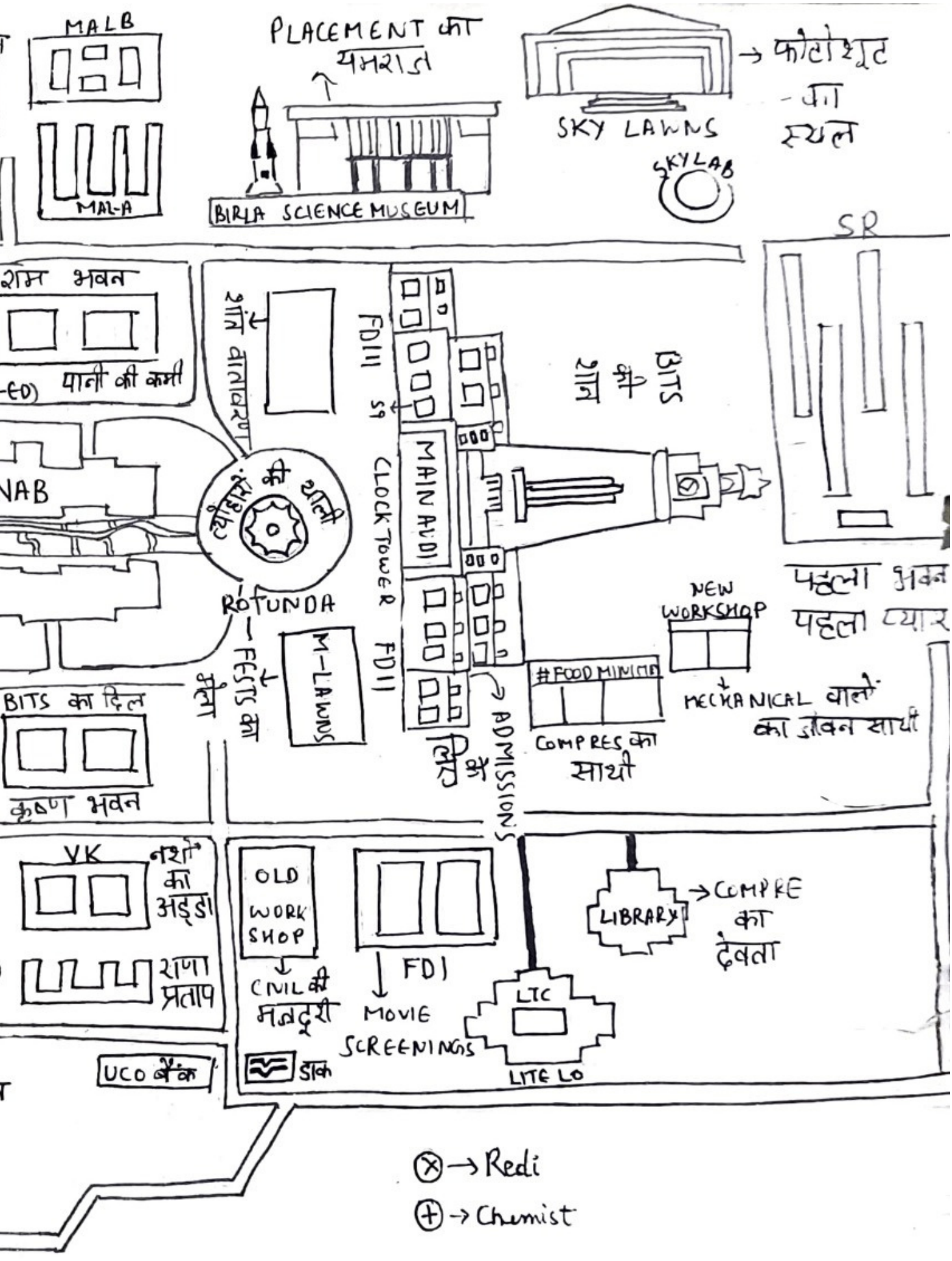

MALB
MAL-A
PLACEMENT का यमराज
BIRLA SCIENCE MUSEUM
SKY LAWNS
→ फोटोशूट का स्थल
SKYLAB
SR
भवन
पानी की कमी
शांत वातावरण
FD III
S9
BITS की शान
NAB
त्योहारों की थाली
MAIN AUDI
CLOCK TOWER
ROTUNDA
FESTS का मेला
M-LAWNS
FD II
ADMISSIONS
COMPRES का साथी
NEW WORKSHOP
MECHANICAL वालों का जीवन साथी
पहला भवन पहला प्यार
BITS का दिल
कृष्ण भवन
VK
नशे का अड्डा
राणा प्रताप
OLD WORK SHOP
CIVIL की मजदूरी
FD I
MOVIE SCREENINGS
LIBRARY
→ COMPRE का देवता
LTC
LITE LO
UCO बैंक
डाक
→ Redi
→ Chemist

जीवनशैली

BITS Pilani... It's Magic

नमस्कार, बिट्स की इस मायानगरी में आपका स्वागत है। आशा है आप सभी को बिना किसी परेशानी के अपना हॉस्टल और रूम का आवंटित हो गया है। यहां रहने के तौर – तरीके कुछ अलग है। जहां सुबह आप अपनी माँ के मीठे स्वर तथा प्यार भरे सहलाव से उठते थे, वही यहां जब तक आप अपने कमरे खटकाते हुए दोस्त से दो–चार अपशब्द न सुने तो आपकी सुबह ही शुरू नही होती। जहां आप सुबह नहाने के लिए नखरे दिखाते थे, यहां आप नहाने के लिए पानी को तरसते हैं। जहां आपका दाल–चावल को देख कर मुंह बनता था, वही यहां आप उन्ही के सहारे अपना पेट भरते हैं। यहां की रात आपके लिए नया सवेरा बन जाती है। बिट्स की 0% अटेंडेंस पॉलिसी के चलते, प्रतिदिन क्लास लगाना एक कठिन कार्य बन जाता है। यहां आप राजस्थान की तपती गर्मी तथा जमा देने वाली सर्दी को झेलना भी सीखते हैं। अपने जन्मदिन पर मुंह या पीठ छुपा कर रखनी पड़ती है यहां। पर केमिस्ट्री लैब की लाल फास्फोरस से पनवाड़ी की लाल फास्फोरस तक का यह सफर खूब रंगीन, रोमांचक और मन लुभाने वाला होगा।

आपके मन में यह सवाल ज़रूर आया होगा कि ये विंग क्या होता है? Hallway मे एक पंक्ति मे आने वाले रूम्स एक विंग बनाते हैं। आम तौर पर एक विंग में 10 से 14 कमरे होते हैं। बिट्स में कुल 12 भवन हैं जिनमे केवल लड़के रहते हैं तथा लड़कियों के लिए दो ही भवन है– मीरा भवन और बुद्ध भवन। सभी प्रथम वर्षीय छात्र को डबल औक्युपंसी के कमरे दिए जाते हैं जिनमे अलमारी, टेबल, पंखे तथा शेल्फ दिए जाते हैं। आम तौर पर दो विंग एक बाथरूम से जुड़ी होती हैं। प्रत्येक फ्लोर पर कुछ जगह वाटर कूलर्स दिए गए हैं जिनसे शुद्ध ठंडा पानी मिलता है। प्रत्येक फ्लोर पर एक कॉमन रूम भी होता है जहां कूलर, टेबल टेनिस तथा टीवी केबल की सुविधा दी गई है जिससे आप अपने दोस्तों के साथ मिलकर क्रिकेट,F1, फुटबॉल जैसे मैच का लुत्फ़ उठा सकते हो। प्रत्येक भवन में वेंडिंग मशीन उपलब्ध है जिससे आप रात के समय भी चिप्स और कोल्ड ड्रिंक पा सकते हैं। हर भवन में wifi उपलब्ध है जिसके विवरण और निर्देश आपको अपने mail के द्वारा मिल गए होंगे।

लड़कों के भवन हैं–
शंकर, व्यास, गांधी, कृष्ण, राम, विश्वकर्मा, भागीरथ, श्रीनिवास रामानुजन्, अशोक, राणा प्रताप, सीवी रमन, मालविय A, मालविय B, मालविय C और मालविय अपार्टमेंट्स हैं। जिनमे से first–yearites को श्रीनिवास रामानुजन्, कृष्ण, गांधी और विश्वकर्मा मिलते हैं।

भवन–भवन की कहानी

श्रीनिवास रामानुजन्–अधिकतर प्रथम वर्षीय छात्रों को श्रीनिवास रामानुजन् भवन मिलता है जिसका हाल ही में नवीकरण हुआ था। यह एक सुनियोजित भवन है जो 4 ब्लॉक में बंटा हुआ है और उनके बीच विशाल गार्डन भी हैं। इस भवन की वास्तुकला बाकियों से अलग ज़रूर है पर अपने आप में महान है। इस भवन में बिजली पर चलने वाले geysers हैं और प्रत्येक रूम में central–ventilation प्रदान किया गया है। यह भवन कैंपस के एक कोने मे अवश्य है परंतु लाइब्रेरी, इंस्टीट्यूट कंटीन, LTC, तथा शैक्षिक इमारतों के पास पड़ता है। अगर आपको यह भवन मिला है, तो गर्मी में आपके दोस्त अवश्य आपके कमरे में सोने आएँगे।

कृष्णा और गांधी – इन भवन में कुल दो फ्लोर हैं। इन भवन का भी हाल ही में नवीकरण हुआ था तथा यहां के कमरे काफी बड़े और साफ हैं। यह भवन कैंपस के बीच में स्थित हैं जहां से कोई चीज़ दूर नही लगती, खास तौर पर शैक्षिक इमारतें। यदि आपको यह भवन मिला है तो आपको cycle की कुछ खास आवश्यकता नही है। सावधान– हाला कि इन भवन का स्थान सराहनीय है, पर बाहर निकलते ही चिड़ियां तथा कबूतर का खास ध्यान रखिएगा वरना आपके ऊपर सफेद दाग पड़ सकता है।

विश्वकर्मा– यह भवन काफी कम first yearites ko मिलता है। अन्य भवनों की अपेक्षा इस भवन की संरचना थोड़ी पुरानी है। यह सभी एकेडमिक ब्लॉक के पास स्थित है। VK Lawns इस भवन को सबसे अलग और अनोखा बनाते हैं।

मीरा – यह भवन कैंपस के दूसरे कोने में स्थित है जहां की दीवारे लांगना असंभव है। लड़कियों के लिए केवल एक ही भवन होने के कारण यहां पर 10 ब्लॉक्स हैं और प्रत्येक ब्लॉक में 2 से 3 फ्लोर हैं। प्रथम वर्षीय छात्राओं को आम तौर पर 9th ब्लॉक दिया जाता है। यहां पर कीड़े मकोड़े आम तौर पर दिखते रहते हैं तथा रोज़ सुबह आपको मोर के दर्शन भी होते हैं। हॉस्टल के पास में ही सरस्वती मंदिर, अक्षय स्टोर और c'not place पड़ते है। यहां से शैक्षिक इमारतें दूर पड़ती हैं तो यहां के निवासियों को सुझाव है कि वे cycle खरीद ले या रिक्शा से आना जाना कीजिए।

प्रत्येक हॉस्टल के बगल में मेस है जहां आपको दिन में 3 बार खाना परोसा जाता है। साथ ही 'Pitstop' की सुविधा भी उपलब्ध है जहां आप दिन में कभी भी चिप्स, कुल्फी, चोकोलेट जैसी अन्य चीजें खरीद सकते हैं। इतना ही नही, समय समय पर अलग अलग राज्यों के संगठन अपनी संस्कृति और कला का प्रदर्शन करने के लिए ग्रब और इवेंट भी आयोजित करवाते हैं। तो बेफिक्र आइये और अपने कॉलेज के दिन खुल के जिए।

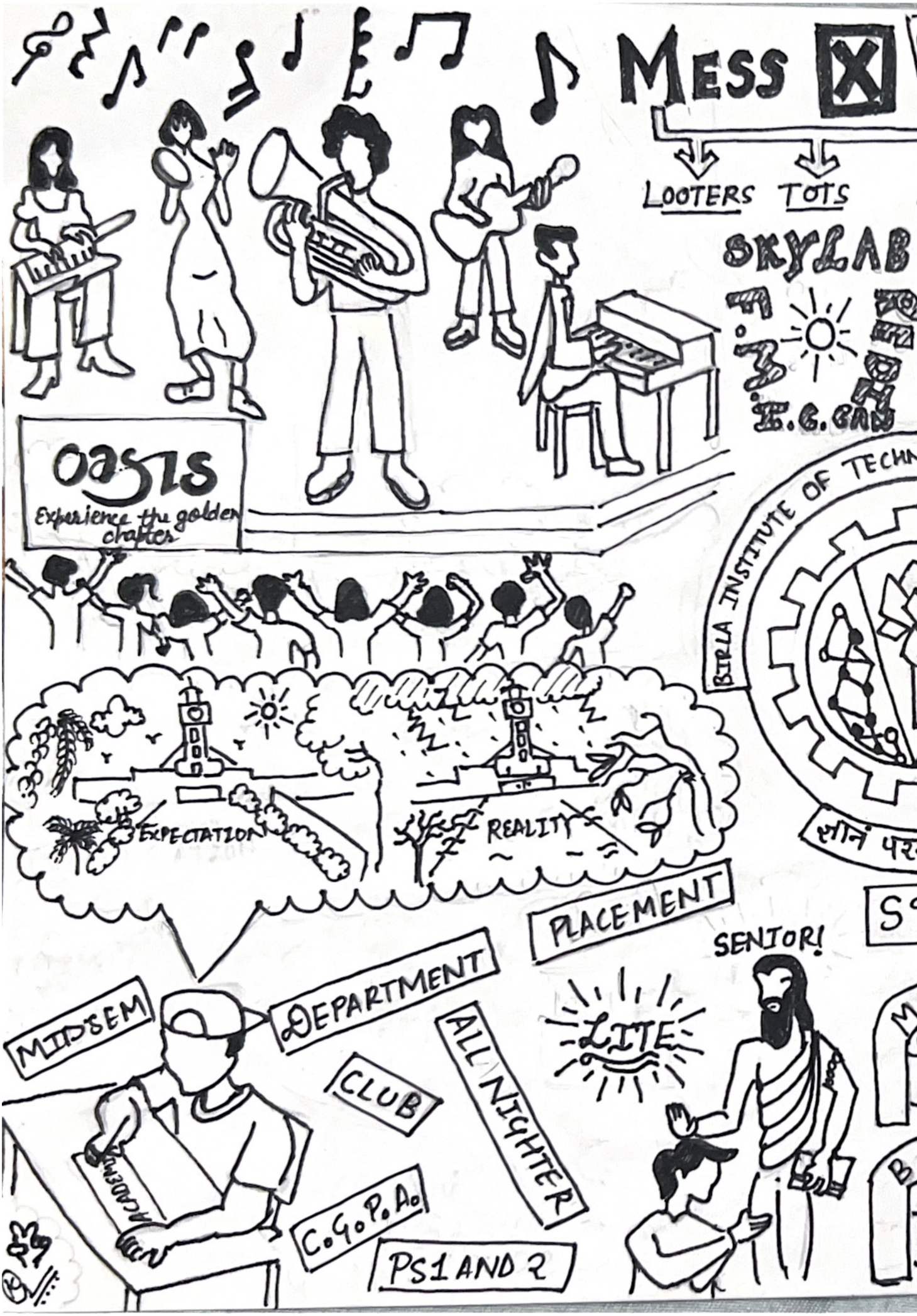
MESS
LOOTERS
TOTS
SKYLAB
oasis
Experience the golden chapter
BIRLA INSTITUTE OF TECH
EXPECTATION
REALITY
PLACEMENT
SENIOR!
LITE
MIDSEM
DEPARTMENT
CLUB
ALL NIGHTER
ACADEMICS
C.G.P.A.
PS1 AND 2

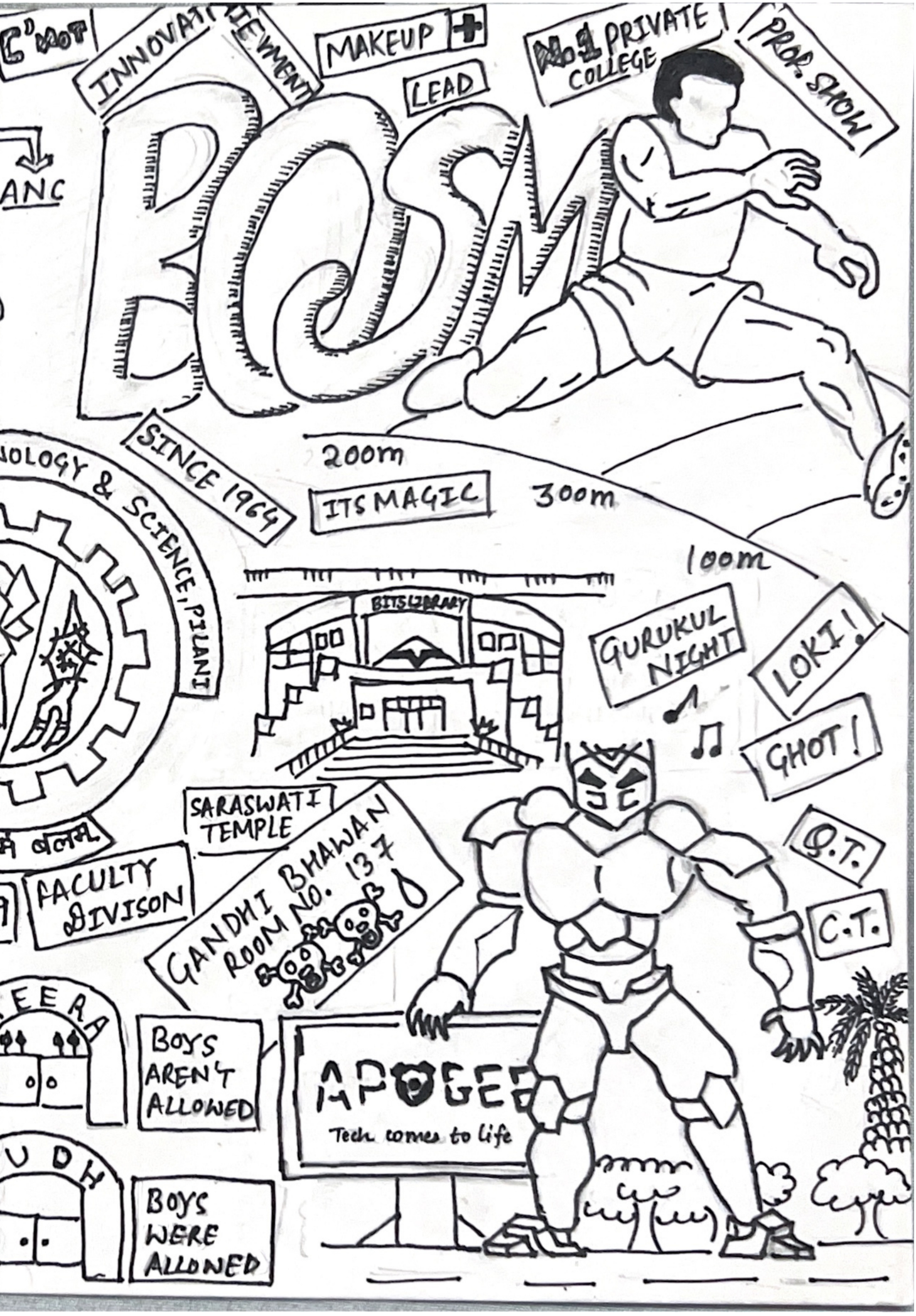

INNOVATI
IEVEMENT
MAKEUP
LEAD
PRIVATE COLLEGE
PROF. SHOW
ANC
BOSM
SINCE 1964
NOLOGY & SCIENCE, PILANI
200m
ITS MAGIC
300m
100m
BITS LIBRARY
GURUKUL NIGHT
LOKI!
GHOT!
SARASWATI TEMPLE
GANDHI BHAWAN ROOM NO. 137
FACULTY DIVISON
Q.T.
C.T.
EERA
BOYS AREN'T ALLOWED
APOGEE
Tech comes to life
UDH
BOYS WERE ALLOWED

वो या वो

पढ़ोगे लिखोगे तो... ,खेलोगे कूदोगे तो...?

BITS, IIT, NIT जैसे बड़े इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाख़िला लेना हर नॉन-मेडिकल छात्र का सपना होता है। 2 साल की कठोर मेहनत के बाद एक छात्र मानसिक तौर पर पस्त हो जाता है, यह पंछी अब अपने समाज की बेड़ियां तोड़ कर उड़ना चाहता है और उसका कॉलेज उसकी इस उड़ान के लिये एक खुला आसमान होता है। BITS जैसे कॉलेज में जहाँ एक व्यक्ति को पढ़ाई से लेकर खेल तक की सारी सुविधाएँ उपलब्ध है, वहाँ लोग अपने शैक्षिक और अन्य शौक़ों को पूरा कर सकते है। वैसे तो सबका मानना है कि छात्रों को अपने 4 वर्षों के इस कॉलेज जीवन में इन दोनों ही क्षेत्रों में संतुलन बनाए रखना होता है, परंतु हर छात्र ये करने में सक्षम नही होता। कुछ छात्र पढ़ाई को 'lite' लेकर अन्य क्षेत्रों में अपना ध्यान केंद्रित करना चाहते है, वही कुछ लोग अच्छी CGPA से पास होना अपना एक मात्र लक्ष्य मानते है। दोनों तरह के छात्र अपनी जगह सही भी है, और ग़लत भी। अगर एक छात्र अपने पाठ्यक्रम से समझौता कर रहा है और उसपर अपेक्षित समय नही बिता रहा है तो इस से उसको भारी नुक़सान झेलना पड़ सकता है। 4 साल के बाद जब एक छात्र को अपनी पसंदीदा कम्पनी में जॉब का मौक़ा चाहिये होता है, तो अनेकों छात्रों में से चुनाव के लिये CGPA एक महत्वपूर्ण किरदार निभाती है। पर क्या हर समय सिर्फ़ CGPA के पीछे दौड़ना सही है? क्या कॉलेज की दिनचर्या एक छात्र को अपनी पढ़ाई के साथ खेल-कूद और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधिओं में भाग लेने का समय नही देती? ये मेरी निजी राय है की BITS की दिनचर्या में हर एक छात्र को एक दिन में इतना समय मिलता है कि वह अपने पाठ्यक्रम और अपनी अन्य क्षेत्रों की रुचिओं को पर्याप्त समय दे सके। पर सवाल तो यह भी है कि क्या आपको इन सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में हिस्सा लेना भी चाहिये? क्या ये एक छात्र के जीवन में कुछ महत्ता रखतें है और क्या उस से किसी को भी अपने आने वाले व्यवसायिक जीवन में कुछ फ़ायदा होगा? हमारे कॉलेज के अंदर अनेक तरह के Clubs, Teams, Departments, Associations है, जो कि ऐसे लोगों का समूह होता है जो आपके पसंदीदा क्षेत्र में रुचि रखते है। एक छात्र अपनी रुचि अनुसार इनमें से किसी में भी भाग लेकर अपनी Extra-Curricular Skill को पल्लवित कर सकता है। यहाँ आपको अपने ही तरह के लोग मिलेंगे जो आपकी मदद करेंगे, जिसमें कुछ आपके सहपाठी और बाक़ी आपके सीनियर्स होंगे। ये लोग आपको आपके कॉलेज जीवन की हर छोटी-बड़ी चीज़ में आपकी मदद करेंगे, चाहे वह आपका सह-पाठ्य क्षेत्र हो या पाठ्य क्षेत्र। इन जगहों पर आप काफ़ी कुछ सीखते तो हैं ही, साथ ही काफ़ी मस्ती भी करते हैं, जो आपकी कॉलेज की यादें बन जाती है और जीवन भर आपके साथ रहती है। एक छात्र के लिये सह-पाठ्य कौशल सीखना उतना ही ज़रूरी है, जितना उसके लिये अपने पाठ्यक्रम के बारे में जानना। ये activities आपके व्यक्तित्व को निखारती है और आपका ऑलराउंड विकास करती है। इन्ही सब सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के अलावा हर छात्र को अपने लिये व्यायाम का समय भी निकालना चाहिये, यह एक स्वस्थ जीवन के लिये बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने शरीर से तंदरुस्त रहते हैं तो काफ़ी हद तक ये माना जाता है कि आप मानसिक रूप से भी मुस्तैद रहेंगे, जिस से आप अपनी पढ़ाई में और अच्छे से ध्यान केंद्रित कर पायेंगे। पाठ्यक्रम और CGPA ज़रूरी है, इसमें कोई दोराय नही है, पर हर समय पढ़ाई में लगे रहने से आप एक अच्छे शिष्य तो बन जायेंगे पर एक अच्छा इंसान बनने के लिये आपको दोनों क्षेत्रों में सफल होना होगा। ये activities एक छात्र को कई सारी चीज़ो में सक्षम बनती है जैसे टीम-वर्क, लीडर्शिप, शेड्यूलिंग, इत्यादि। मेरे अनुसार कॉलेज जीवन आपको दोनों में संतुलन बनाने का पूरा समय देता है। यहां तक की आज-कल कम्पनियां भी CGPA के साथ आपका आँकलन आपके व्यक्तित्व से करती है और इसकी अहमियत उतनी ही रखती है जितनी है आपकी डिग्री की। आज कंपनियों की भी माँग है कि वह ऐसे लोग अपने साथ जोड़े जो एक से अधिक क्षेत्रों के काम जानते हो ताकि ज़रूरत पड़ने पर काम आ सकें। अंततः मैं यह ही कहना चाहूँगा की एक छात्र को अगर अच्छे से अपना कॉलेज काल व्यतीत करना है तो उसे पढ़ाई के साथ-साथ अपनी रुचिओं को अपनी कौशलता में बदलना चाहिये, क्योंकि ये कॉलेज संसाधनों का इतना बड़ा पिटारा है कि आप जितना चाहे उतना इससे सीख कर एक आत्मनिर्भर व्यक्ति बन सकते है।

फ़ेस्ट की माया

पिलानी आने से पहले आप में से बहुत लोगों ने यहाँ के मौसमों के बारे में सुना होगा, जो कि चरम सीमाएँ छूते हैं लेकिन कुछ मौसम ऐसे भी हैं जिनके बारे में यहाँ आ कर ही ज्ञात होता है। वातावरण में दिखने और महसूस होने वाले किसी बड़े परिवर्तन को मौसम कहा जाता है, इस मापदंड से देखा जाये तो फेस्ट भी मौसम है। हर फेस्ट अपने आप में एक अलग वातावरण ले कर आता है। शृंखला में सबसे पहले आता है **OASIS**, जिसके बारे में आपने ज़रूर सुना होगा क्योंकि यह देश का दूसरा सबसे बड़ा फेस्ट है जिसे छात्र ही आयोजित करवाते है। कॉलेज में प्रवेश करने के 2-3 महीने के अंदर ही यह फेस्ट आपको देखने को मिलेगा। इस फेस्ट का मकसद पूर्णतः सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सबका मनोरंजन करना होता है। नाच-गाना-खाना-पीना सभी छात्रों को अपने अंदर समा लेता है। इस फेस्ट को सुचारू रूप से पूरा करने में हज़ारो लोगों का हाथ होता है, एक भागीदार से ले कर कुलपति तक। हालाकि कोरोना की वजह से इस फेस्ट को एक अंतराल के बाद 2022 में आयोजित करवाया गया था। इस फेस्ट से 2-3 महीने बाद आता है **APOGEE** , वो फेस्ट जिसका इंतज़ार तकनीकियों से उत्साहित होने वाले छात्रों को रहता है। इस फेस्ट में ऐसे कई कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएँ होती हैं जिनमें भविष्य के तकनीकीकरण की झलक देखने को मिलती है। टेक टीम्स के लिए यह एक नाज़ुक समय होता है, जब उनकी साल भर की मेहनत पर लोगों की नज़र होती है, और पूरे फेस्ट के दौरान भी वे टीम के सम्मान के लिए जी तोड़ मेहनत करते हैं। **OASIS** से कुछ समय पहले आयोजित किया जाने वाला फेस्ट **BOSM**, जिसमे विभिन्न खेलो में एक साथ कई प्रतियोगिताएँ चल रही होती हैं। अलग-अलग कॉलेज, शहर से आये हुए खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। खेलों के स्तर को बिल्कुल भी कम नही आकना चाहिए क्योंकि इस फेस्ट में आने वाले कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होते हैं। हर फेस्ट में जाने माने कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से शोभा बढ़ाते हैं और देखते ही देखते 4 दिन का एक फेस्ट न जाने कितनी यादे छोड़ जाता है।

हिंदी प्रेस क्लब

खबर वही जो दबाई जाए,
बाकी सब विज्ञापन है...

HPC मात्र एक क्लब नही, एक परिवार है। आइये इस परिवार से जुड़े -

प्रीतवर्धन (लेखक) - +91 7897168687
ऋषव (वीडियो एडिटर) - +91 7827461620
रिया (डिज़ाइनर) - +91 9829023707
कृष (कार्टूनिस्ट) - +91 9667709690

हार्दिक, लांबा

आकाश, आदित्य, ऋत्विक, आर्यमन, सर्वेश, जैनम, आरुषि, आर्ची, निशिका, भव्य, हिमांशी, देव

अवि, वैष्णवी, अनुज, विदित, अमृत , मल्लिका, सर्वाक्ष, पुलकित, कामरा , वल

हर्ष, मोक्ष, कृष, अभिन्नआशीष, विशेष, प्रिशा, कविश, कौस्तुभ, नमः, प्रीतवर्धन, रिया, एकांश, आरुषि, अनुष्का, केदार, दिव्यम, दिवाकर, भाविनी, राहुल, ऋषव, आदित्या, हर्षवर्धन